परमगुरु श्री जीसस

पिछले दो हजार सालों से इस भूमण्डल पर परमगुरु जीसस के अद्‌भुत प्रवचनों की सुगंध फैले होने पर भी उनके उपदेश के सार को बहुत थोड़े से लोग समझ पाए ह।

जीसस का कहना कुछ और है और ईसाई लोग कर रहे हैं कुछ और। यदि उनके प्रबोध के अनुसार जी रहे हाते तो इस धरता पर इतनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्यों होती।

पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटी के ध्यानी ही सच्चे इसाई हैं। इस देश मेंनव युग आन्दोलन में ये ध्यानी ही सच्चे ध्यान के स्वामी हैं। सच्चे भारतीय हैं, सच्चे मुसलमान, सच्चे बौद्ध, सच्चे जैन और सच्चे ईसाई भी वे ही है।

आध्यात्मिक शास्त्र विज्ञान के अनुसार एक गुरु का कथन दूसरेगुरु के कथन से भिन्न नहीं हो सकता-एकं सत्य विप्रः बहुधा वदन्तिः। दुनिया भर में शास्त्र ज्ञान एक ही प्रकार का है।

पिरामिड सोसाइटी के प्रत्येक मास्टर को जीसस और बुद्ध की तरह बनना है। यही वे हमसे चाहते हैं औरयही हम सबका लक्ष्य है।